

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

सीजेआई का आशा जगाने वाला संदेश

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत का हालिया बयान, 'सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए है' भारतीय न्यायपालिका की मूल आत्मा को फिर से स्थापित करने वाला क्षण है। यह केवल एक औपचारिक वक्तव्य नहीं, बल्कि उस चिंतन का परिणाम है जो न्याय को आम नागरिक की पहुंच तक ले जाने की आवश्यकता पर आधारित है। जब न्यायपालिका का शीर्ष पद यह संदेश देता है कि अदालतों का अस्तित्व जनता की सुविधा, समानता और संरक्षण के लिए है, तो यह लोकतंत्र की बुनियाद को और मजबूत करता है।

देश में लंबित मामलों की संख्या न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती रही है। जस्टिस सूर्यकांत ने स्पष्ट किया है कि मामलों के समतल निपटारे के लिए एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति और निश्चित समय सीमा उनकी प्राथमिकता रहेगी। यह बयान उन करोड़ों नागरिकों की उम्मीदों को दिशा देता है जो वर्षों तक फैसलों का इंतजार करते हुए थक जाते हैं। न्याय में देरी न केवल

नागरिक अधिकारों को कमजोर करती है, बल्कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठाती है। ऐसे में शीर्ष स्तर पर इस सुधार की स्पष्ट प्रतिबद्धता उम्मीद जगाती है कि आने वाले समय में तेजी और पारदर्शिता न्यायिक प्रणाली का आधार बनेगी।

सुप्रीम कोर्ट की चिंता मुकदमों की लागत और प्रक्रिया से जुड़े तनाव पर भी केंद्रित है। आम आदमी अक्सर कानूनी लड़ाई की जटिलताओं और भारी खर्च के कारण न्यायालयों से दूरी बना लेता है। इसलिए, जस्टिस सूर्यकांत का मध्यस्थता को 'गैम चेंजर' बताना दूरदर्शी कदम है। यह तरीका विवादों को त्वरित, कम खर्चीले और बिना सोहार्दपूर्ण ढंग से हल करने में सक्षम है। यदि इसे बड़े पैमाने पर लागू किया गया तो अदालतों पर दबाव घटेगा और लोगों की

आशा जगाने वाली संदेश है। महिलाओं, वंचित समुदायों और हाशिए के समूहों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने से न्याय के दृष्टिकोण में व्यापकता आएगी। न्यायपालिका समाज का दर्पण तभी बन सकती है जब उसमें समाज के सभी वर्गों की आवाज मौजूद हो।

कुल मिलाकर, जस्टिस सूर्यकांत के विचार न्यायपालिका के भविष्य की दिशा तय करते दिखते हैं। यह साफ है कि वे न्यायपालिका को अधिक पारदर्शी, आधुनिक, समावेशी और जन सुलभ बनाना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल अदालतों की कार्यप्रणाली को बेहतर करेगा बल्कि जनता के भरोसे को भी मजबूत करेगा। सुप्रीम कोर्ट का यह स्पष्ट संदेश कि 'हम आम आदमी के लिए हैं,' लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति—जनता—को न्याय का वास्तविक अधिकार दिलाने की दिशा में सार्थक कदम है।

खास से आम होने में भी होती है चर्चा



डॉ. रवि तिवारी

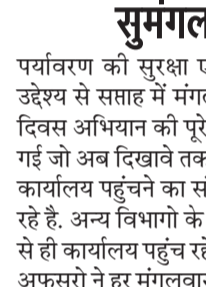
सच ही कहा गया है कि आम अगर आम रहेंगे तो उसकी कोई पूछ नहीं होगी पर कहीं यदि कोई खास आम हो जाए तो उसकी चर्चा भी आम हो जाती है। कुछ ऐसा ही वाक्या सीधी जिले के कलेक्टर डेटे में देखने को मिला जब सांसद पुत्र डा. अनुप मिश्रा और पुत्रवधु ने अपने व्यक्तिगत काम के लिए खास होते हुए भी आम होने की कोशिश की पर यहाँ भी उन्हें



डॉ. अनुप मिश्रा

आम की तरह मिला सिर्फ आश्वासन। एक बात तो माननी पड़ेगी की प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी फिलहाल आम और खास में कोई भेदभाव नहीं करती है। तारीख पर तारीख का डायलॉग भले पुराना हो गया हो पर तरकी के इस दौर में अभी भी उसका महत्व बरकरार है। आम आदमी के जीवन का यह भटकाव अब और कैसे खत्म होगा यह यक्षप्रश्न हो गया है। अभी तक लोग बहुत कुछ भगवान के भरोसे छोड़कर बैठ जाते थे। अब उनकी पुकार लगता है इको सिस्टम में आए परिवर्तन के कारण वहाँ तक भी नहीं पहुँच पा रहे हैं। अब देखा यही है कि सांसद पुत्र को मिली तारीख पर सुनवाई

आम की तरह मिला सिर्फ आश्वासन। एक बात तो माननी पड़ेगी की प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी फिलहाल आम और खास में कोई भेदभाव नहीं करती है। तारीख पर तारीख का डायलॉग भले पुराना हो गया हो पर तरकी के इस दौर में अभी भी उसका महत्व बरकरार है। आम आदमी के जीवन का यह भटकाव अब और कैसे खत्म होगा यह यक्षप्रश्न हो गया है। अभी तक लोग बहुत कुछ भगवान के भरोसे छोड़कर बैठ जाते थे। अब उनकी पुकार लगता है इको सिस्टम में आए परिवर्तन के कारण वहाँ तक भी नहीं पहुँच पा रहे हैं। अब देखा यही है कि सांसद पुत्र को मिली तारीख पर सुनवाई



डॉ. अनुप मिश्रा

आम की तरह मिला सिर्फ आश्वासन। एक बात तो माननी पड़ेगी की प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी फिलहाल आम और खास में कोई भेदभाव नहीं करती है। तारीख पर तारीख का डायलॉग भले पुराना हो गया हो पर तरकी के इस दौर में अभी भी उसका महत्व बरकरार है। आम आदमी के जीवन का यह भटकाव अब और कैसे खत्म होगा यह यक्षप्रश्न हो गया है। अभी तक लोग बहुत कुछ भगवान के भरोसे छोड़कर बैठ जाते थे। अब उनकी पुकार लगता है इको सिस्टम में आए परिवर्तन के कारण वहाँ तक भी नहीं पहुँच पा रहे हैं। अब देखा यही है कि सांसद पुत्र को मिली तारीख पर सुनवाई

आम की तरह मिला सिर्फ आश्वासन। एक बात तो माननी पड़ेगी की प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी फिलहाल आम और खास में कोई भेदभाव नहीं करती है। तारीख पर तारीख का डायलॉग भले पुराना हो गया हो पर तरकी के इस दौर में अभी भी उसका महत्व बरकरार है। आम आदमी के जीवन का यह भटकाव अब और कैसे खत्म होगा यह यक्षप्रश्न हो गया है। अभी तक लोग बहुत कुछ भगवान के भरोसे छोड़कर बैठ जाते थे। अब उनकी पुकार लगता है इको सिस्टम में आए परिवर्तन के कारण वहाँ तक भी नहीं पहुँच पा रहे हैं। अब देखा यही है कि सांसद पुत्र को मिली तारीख पर सुनवाई

शादी सीजन

6.5 लाख करोड़ के कारोबार का अनुमान



श्याम यादव

देश में नवंबर से शादी का सीजन शुरू हो गया। इस वर्ष इसका आकार पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बढ़ा माना जा रहा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के मुताबिक 1 नवंबर से 14 दिसंबर के बीच देश में करीब 46 लाख शादियाँ होने का अनुमान है। इस अवधि में कुल 6.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना व्यक्त की गई। यह अनुमान सीएआईटी रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा देश के 75 शहरों में 15 से 25 अक्टूबर के बीच किए गए सर्वे पर आधारित है। व्यापारियों के अनुसार इस अवधि में बाजारों में ग्राहक संख्या, सामग्री की आपूर्ति, ऑर्डर बुकिंग और वेन्यू की मांग सभी पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं।

दिल्ली में लगभग 4.8 लाख शादियाँ होने का अनुमान है जिनसे करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का व्यापार हो सकता है। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि बड़े शहरों के अलावा अब टियर -2 और टियर -3 शहरों में भी शादी से संबंधित खरीदारी का स्तर बढ़ा है। यह रुझान पिछले दो वर्षों की तुलना में अधिक स्थिर दिखाई दे रहा है। कई शहरों में होटल, ब्रैंकेट हॉल और वेडिंग-वेन्यू पहले से ही बुकिंग के चरम पर हैं। सूरत, जयपुर, इंदौर, लखनऊ, चंडीगढ़ और नागपुर जैसे शहरों में सजावट, कैंटरिंग और परिधान बाजारों में त्योहारी सीजन की बिक्री के बाद फिर से वही तेजी देखी जा रही है।

कुल अनुमानित कारोबार में सबसे बड़ा हिस्सा ज्वेलरी का है, जिसका औसत योगदान लगभग 15 अंका गया। परिधान और साड़ियों का योगदान करीब 10 अंका है। इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की हिस्सेदारी लगभग 5 अंका है। मिठाई, ड्राई फ्रूट, किराना और घरेलू सामान पर औसतन 5 अंका खर्च दर्ज किया गया। इसके अलावा गिफ्ट आइटम पर लगभग 4 अंका और अन्य श्रेणियों पर करीब 6 अंका खर्च का अनुमान है। सेवा क्षेत्र में कैंटरिंग का योगदान लगभग 10 अंका है। जबकि, सजावट और फ्लोरल सेवाओं पर करीब 4 अंका खर्च होता है। इवेंट मैनेजमेंट और वेन्यू-संबंधित सेवाओं का औसत हिस्सा 5 अंका के आसपास रहता है। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी सेवाओं में लगभग 2 प्रतिशत तथा लाइट-साउंड, म्यूजिकल ग्रुप और

पाकिस्तान में आसिम मुनीर की तानाशाही

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के सामने पूरी तरह घुटने टेक चुकी है। वहां की नेशनल असेंबली के दोनों सदन में 27वां संविधान संशोधन पारित कर मुनीर को संपूर्ण अधिकार सौंप दिए गए। इसके मुताबिक मुनीर आजीवन अपने पद पर बने रहेंगे और उन पर कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। इसके साथ ही न्यायपालिका का पुनर्गठन कर उसे और अधिक आज़ादारी बनाया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लगता है कि जेल में कभी भी उनकी हत्या की जा सकती है। पिछले दिनों उनकी मौत की अफवाह ने जोर पकड़ा था। जब उनके समर्थकों ने जेल के बाहर व सड़कों पर प्रदर्शन किया तो इमरान से मिलने के लिए उनकी बहन को अनुमति दी गई। उन्होंने मुलाकात के बाद बताया कि इमरान की हालत ठीक नहीं है। उन्हें एकांत कोठरी में कैद रखा गया है तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। पाकिस्तान की इस हालत के लिए उसके राजनीतिक नेता ही जिम्मेदार हैं जिनकी कमजोरी का मुनीर ने पूरा फायदा उठाया। खुद ही फील्ड मार्शल का प्रमोशन ले जाला। इसके पहले पाकिस्तान में अग्रुप खान फील्ड मार्शल बने थे। पाकिस्तान में सेना और खुफिया एजेंसी

बलूचिस्तान में बगावत भड़क रही है। खैबर पख्तुनवा में रहनेवाले पटान नहीं चाहते कि मुनीर और शहबाज शरीफ जैसे पंजाबी उन पर हुकूमत करें, तालिबान ने पाकिस्तान को धमकी दे रखी है कि जब हम अमेरिका से नहीं डरे तो तुम हमारे सामने क्या चीज हो।

आईएसआई का हमेशा से वर्चस्व रहा है जो सरकार को अपनी कठपुतली बना कर रखते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मुनीर को संरक्षण है, मुनीर ने भी शांति के नोबल प्राइज के लिए ट्रंप के नाम का समर्थन किया था। मुनीर खुद को कितना ही ताकतवर मानें लेकिन उनका मुक्त कमजोर है जहां की इकोनॉमी आईएसएफ के कर्ज से चल रही है। विदेशी मुद्रा का भंडार बहुत कम रह गया है। अफगानिस्तान से संबंधों में तनाव चला आ रहा है। पाकिस्तानी फौजी चौकियों पर तहरीक-ए-तालिबान के हमले बढ़ते जा रहे हैं।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाल

CROSS WORD 12103 - डॉ. सागर खादीवाल

1	2	3	4
	5		6
7			8
9			
10		11	12
13		14	
	15	16	
17			18

3. छोड़े रखने का स्थान 4. ईरान की भाषा 6. राजा की आज्ञा, आज्ञा पत्र (उर्दू) 7. अत्याचारी, आतंकी 10. एक तरह का बड़ा साँप, अजदहा 11. धरोहर, धाती (उर्दू) 12. यमनगरी, यम का स्थान 15. दानेदार शक्कर, चीन का निवासी, चीन संबंधी

Solution 12102

अ	ख	ग	घ	ङ	च
द	ध	न	या	र	फ
ब	ख	न	जा	दू	ग
ह	म	स	फ	र	
ब	क	र	र	म	नु
को	ला	ह	ल	लो	हा
ट	रा	ता	बा	रा	त
ना	शि	म	अ	न	जा

बाएं से दाएं

- कश्मीर के एक भू. पू. मुख्यमंत्री
- नरो में चूर 6. लोम वाला चमड़ा
- अदब-कायदा, नमस्कार (उर्दू)
- मृतक के निमित्त किया जाने वाला चार्जिक श्राद्ध 9. द्रव, पतला 10. देना, दान करना (उर्दू) 11. विनय, प्रार्थना 13. विजयी 14. माफ़ी 16. विनयशील, झुका हुआ 17. चंद्रमा, दक्षिण की फिल्में का एक प्रसिद्ध नायक 18. पवित्र, पावन (उर्दू)

ऊपर से नीचे

- फागुन में गाया जाने वाला गीत, होली 2. झुका हुआ, घुंघराला (उर्दू)

ज्योतिषाचार्य पं. प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी। अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा। वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी। व्यवसाय में वृद्धि होगी। आर्थिक लाभ होगा। उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक हो सकते हैं। आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें। मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी।

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है। वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को निजी दायित्वों का

निर्वहन करना होगा। व्यवसाय में वृद्धि होगी। कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी। सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी। मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा। मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेगा। धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के व्यक्तिगत विकास होगा। आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें।

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ, सुन्दर, गंभीर, महत्वाकांक्षी, उदार होगा, और परोपकारी होगा, शिक्षा अच्छी रहेगी, कई विषयों का ज्ञाता होगा, इसमें निरंतर आगे बढ़ने की क्षमता रहेगी। ईश्वर भक्ता भी होगा।

उदयकालीन ग्रह चाल

8	के.7 सू. चं.शु.	6	शु.	5
9			4	
10	श.			
11		1	मि.	3
12	शु.		2	

पंचांग

रा.मि. 17 संवत् 2082 पौष कृष्ण चतुर्थी चन्द्रवासरे रात 9/18, पुनर्वसु नक्षत्रे दिन 9/18, ब्रह्म योगे रात 10/45, वव करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार कर्क, पूर्व-संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अतु.आ.5,8,9,12,1,3 शुभांक-6,8,2.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण चतुर्थी को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अरंडी, मूंगफली, बिनौला, खल में पहली चाल चलेगी, गुड़, खांड, शक्कर, सूत, कपास, जूट, पाट, बारदाना, में तेजी का रूख रहेगा. भाग्यांक 3712 है.

मेघ- परिवार का पूरा साथ मिलेगा, जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लेना ही हितकर रहेगा, उदारता से काम बनेगा, संतान से संबंधित शुभ सूचना प्राप्त होगी.

वृषभ- वैशेष्य करके आप अपना काम बना लेंगे, अनिर्णय की स्थिति से नुकसान होगा, शुभ सूचना मिलने से हर्ष होगा, मांगलिक कार्यों में व्यय होगा.

मिथुन- विवादास्पद मामले हल होंगे, प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी, व्यर्थ की चिन्ता एवं तनाव दूर होगा, राजनैतिक कार्य सफल होगा.

कर्क- परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहेंगे, वैचारिक आदान प्रदान से राह आसान होगी, स्वास्थ्य का ध्यान रखकर कार्य करें.

सिंह- फैसला लेने से पहले वक की नजाकत को समझें, किसी आवश्यक कार्य में व्यस्तता रहेगी, कार्यों में विलंब होगा, नया खर्च सामने आयेगा.

कन्या- प्रापटी के क्रय विक्रय को लेकर विवाद हो सकता है, जोखिम के कार्यों में परेशानी होगी, मानसिक प्रसन्नता रहेगी, मांगलिक कार्यों में खर्च होगा.

तुला- विषम परिस्थितियों में दोस्तों का सहयोग संभव देगा, आपका मूड कुछ उखड़ा उखड़ा रहेगा, परिवारिक आर्थिक विकास रह सकता है, लाभ होगा, पर सामान्य.

वृश्चिक- निजी राय को काम पर हावी न होने दे, झूठ बोलकर मुश्किल में पड़ जायेंगे, अतिथि आमन होगा, श्रम साध्य कार्य बनेंगे का योग है.

धनु- विरोधी आपको कमजोरी भांपकर हावी होने की कोशिश करेंगे, जमकर जायजवाद प्रापटी के कार्यों में प्रयास सफल रहेगा, परिश्रम अधिक करना पड़ सकता है.

मकर- कारोबारी विस्तार की योजना बनेगी, घरेलू विवाद से दूर रहें, निपट जायेंगे, लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी, दूरदराज की यात्रा संभव है.

कुम्भ- मजबूत इरादों के साथ जिस कार्य में हाथ डालेंगे, सफलता अवश्य मिलेगी, मित्रों के सहयोग से आपकी प्रसन्नता रहेगी, लाभदायक अवसर मिलेंगे.

मीन- थोड़े से बदलाव से बड़ी सफलता का योग है, सोच विचार कर आगे बढ़ें, व्यवसाय में परिश्रम की अधिकता रहेगी, सुख सौहार्द बना रहेगा.

SUDOKU 7235

	5			3	
	2		9	5	
9					6
	6				3 5
4 8				7	
	7				
	8		2		

पत्रेक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में फिटी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोके 7234

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5